# बच्चे काम पर जा रहे हैं (राजेश जोशी)

## पाठ का परिचय

आज जीवन की गति द्रुत से द्रुततम होती जा रही है, जो इस गति के साथ लय बनाए दौड़ा चला जा रहा है, वही प्रगतिशील है। इसलिए आबालवृद्ध सभी एक अंधी दौड़ में दौड़े चले जा रहे हैं। बच्चों से तो जैसे उनका बचपन ही छीन लिया गया है। प्रस्तुत कविता **'बच्चे काम पर जा रहे हैं'** में कवि **राजेश जोशी** ने बच्चों से उनका बचपन छीने जाने पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। कवि ने इस कविता में उस सामाजिक-आर्थिक विडंबना पर अपना क्षोभ व्यक्त किया है, जिसके कारण बच्चे खेल, शिक्षा और बचपन की अल्हड़ उमंग से वंचित किए जा रहे हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

## कविता का भावार्थ

### बच्चे काम पर जा रहे हैं

1. **कोहरे से ढँकी सड़क.......................जा रहे हैं बच्चे?**

**भावार्थ**—कवि कहता है—सुबह का समय है। शीत ऋतु है। सड़कों पर घना कोहरा छाया हुआ है। ऐसी विकट परिस्थिति में भी बच्चे काम करने जाने को विवश हैं; क्योंकि उन्हें पेट भरने के लिए रोटी कमानी है। होना यह चाहिए कि ठंड से बचने के लिए वे घर में रहते, घर के भीतर ही खेलते-कूदते।

कवि कहता है— हमारे युग की यह कितनी भयानक विडंबना है कि हमारे बच्चों को खेलने-कूदने के समय में काम करना पड़ रहा है और इससे भी भयानक बात यह है कि उनकी इस भयंकर विवशता को भी एक सामान्य विवरण की तरह ही समाज में देखा-समझा जा रहा है। इसे देख-सुनकर न किसी को क्रोध आता है और न लाज, न दुःख होता है और न पछतावा। इसे एक भयावह समस्या के रूप में लेना चाहिए, एक गंभीर प्रश्न की तरह लिखा जाना चाहिए; जैसे कि—बच्चे काम पर क्यों जा रहे हैं? लोगों को यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि बच्चे, जिनका बचपन खेलकूद और मौज-मस्ती में बीतना चाहिए; काम करने, पेट-पालने या रोटी कमाने को विवश क्यों हैं?

2. **क्या अंतरिक्ष में.......................गए हैं एकाएक।**

**भावार्थ**—कवि बाल-मज़दूरों को गहरी धुंध में, विपरीत मौसम में काम करने जाता देखकर प्रश्न पूछता है—ये बच्चे काम पर क्यों जा रहे हैं? क्या इनके खेलने के लिए गेंदें अब नहीं बचीं। क्या सारी गेंदें उछलकर आकाश में समा गई हैं? इनके लिए क्या रंगीन किताबें भी नष्ट हो गई हैं? क्या इनकी पुस्तकों को दीमकें खा गई हैं? क्या इनके लिए खिलौने समाप्त हो गए हैं? इनके खिलौने क्या किसी काले पहाड़ के नीचे दबकर नष्ट हो गए हैं? क्या इनके पढ़ने-लिखने के लिए विद्यालय भी नहीं बचे हैं? क्या ये विद्यालय किसी भूचाल की चपेट में आकर नष्ट हो गए हैं? यदि ये सब चीज़ें मौजूद हैं तो फिर ये बच्चे इस समय विद्यालय में पढ़ते होने चाहिए थे। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है, जो हम इन बच्चों को इनके खिलौनों, किताबों और विद्यालयों से वंचित कर रहे हैं। इन बच्चों के लिए भी तो खेलने को खुले मैदान होने चाहिए, बाग-बगीचे होने चाहिए, घरों में खुले आँगन होने चाहिए, पर ये सब सुविधाएँ इनके लिए उपलब्ध नहीं हैं। कहाँ नष्ट हो गए हैं ये सब? आखिर कौन उत्तरदायी है इस सबके लिए।

3. **तो फिर बचा ही.......................पर जा रहे हैं।**

**भावार्थ**—कवि कहता है—यदि इस संसार में बच्चों के खेलने के लिए गेंदें, रंगीन पुस्तकें, खिलौने, विद्यालय, मैदान, बाग-बगीचे, घर-आँगन ही न हों तो इस संसार में रखा ही क्या है? जीने का लाभ ही क्या? ऐसी दुनिया क्या इनसानों की कही जाएगी, जिसमें इनसानों के बच्चे ही बचपने से वंचित हों? अफ़सोस की बात तो यह है कि ये सारी चीज़ें संसार में तो हैं, परंतु इन बच्चों को उपलब्ध नहीं हैं। हमारे देश के लाखों बच्चे इनसे वंचित हैं। बच्चे खाने-खेलने, पढ़ने-लिखने की बजाय इस नन्हीं-सी उम्र में काम-धंधा करने जा रहे हैं। बालश्रम धड़ल्ले से हो रहा है। दुःख की सबसे बड़ी बात तो यही है कि किसी को इनकी फ़िक्र तक नहीं, जबकि यह भयानक दृश्य चिंता करने का विषय है।

## भाग-1

### बहुविकल्पीय प्रश्न

#### काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

**निर्देश**—*निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए—*

**(1)** कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?

1. **कौन काम पर जा रहा है—**
   (क) मज़दूर (ख) किसान
   (ग) बच्चे (घ) बूढ़े।
2. **सड़क किससे ढकी है—**
   (क) बर्फ़ से (ख) कोहरे से
   (ग) घास से (घ) कीचड़ से।
3. **'बच्चे काम पर जा रहे हैं', पंक्ति कैसी है—**
   (क) सुंदर (ख) प्रेरक
   (ग) भयानक (घ) शिक्षाप्रद।
4. **'बच्चे काम पर जा रहे हैं' पंक्ति को कैसे लिखा जाना चाहिए—**
   (क) नारे की तरह (ख) सूक्ति की तरह
   (ग) जवाब की तरह (घ) सवाल की तरह।
5. **बच्चे किस समय काम पर जा रहे हैं—**
   (क) बहुत सुबह (ख) दोपहर को
   (ग) शाम को (घ) रात को।

**उत्तर**— **1.** (ग) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (घ) **5.** (क)।

**(2)** क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक

1. **गेंदों के बारे में कवि ने क्या प्रश्न किया—**
   (क) क्या वे नदी में गिर गईं?
   (ख) क्या समुद्र में गिर गईं?
   (ग) क्या तालाब में गिर गईं
   (घ) क्या अंतरिक्ष में गिर गईं?
2. **दीमकों ने किसे खा लिया?**
   (क) अनाज को (ख) लकड़ी को
   (ग) रंग-बिरंगी किताबों को (घ) कपड़ों को।
3. **मदरसों के बारे में कवि ने क्या प्रश्न किया—**
   (क) क्या नए मदरसे बन गए? (ख) क्या मदरसे बंद हो गए?
   (ग) क्या मदरसे भूंकप में ढह गए? (घ) यह सभी।
4. **कवि के अनुसार खिलौने कहाँ गए—**
   (क) बच्चे ले गए
   (ख) चोर ले गए
   (ग) टूट गए
   (घ) काले पहाड़ के नीचे दब गए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. 'मदरसे' शब्द का क्या अर्थ है–
(क) देवालय (ख) पुस्तकालय
(ग) विद्यालय (घ) औषधालय।

उत्तर– 1. (घ) 2. (ग) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ग)।

## पाठ पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

1. **कविता के कवि का नाम है–**
(क) राजेश जोशी (ख) चंद्रकांत देवताले
(ग) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (घ) केदारनाथ अग्रवाल।

2. **'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में किस समस्या को उठाया है–**
(क) दहेज की समस्या (ख) जनसंख्या की समस्या
(ग) बालश्रम की समस्या (घ) अशिक्षा की समस्या।

3. **जिस सड़क से बच्चे काम पर जा रहे हैं, वह कैसी है–**
(क) साफ-सुथरी है (ख) ऊबड़-खाबड़ है
(ग) कोहरे से ढकी है (घ) कीचड़ से भरी है।

4. **हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति क्या है–**
(क) बच्चे काम पर जा रहे हैं (ख) बच्चे खाना खा रहे हैं
(ग) बच्चे खेल नहीं रहे हैं (घ) बच्चे पढ़ रहे हैं।

5. **बच्चों को काम पर जाते देखकर कवि के मन में क्या प्रश्न उठता है–**
(क) क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें?
(ख) क्या रंग-बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया है?
(ग) क्या सब खिलौने काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं?
(घ) उपर्युक्त सभी।

6. **गेंदों के खत्म होने से क्या आशय है–**
(क) बचपन का खत्म हो जाना
(ख) खेल का खत्म हो जाना
(ग) खुशी का खत्म हो जाना
(घ) खिलाड़ियों का खत्म हो जाना।

7. **'बच्चे काम पर जा रहे हैं' को कैसे लिखा जाना चाहिए–**
(क) बच्चे काम पर जाने चाहिए
(ख) बच्चे काम पर नहीं जाने चाहिए
(ग) क्या बच्चे काम पर जाने चाहिए
(घ) काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?

8. **कवि की हताशा-निराशा का क्या कारण है–**
(क) किताबों का न होना (ख) खिलौनों का न होना
(ग) बाल-मज़दूरी की विवशता (घ) मदरसों का ढह जाना।

9. **कविता में बच्चों की किताबों को किसने खा लिया है–**
(क) चूहों ने (ख) दीमकों ने
(ग) नेवलों ने (घ) मक्खियों ने।

10. **मदरसों का क्या हुआ है–**
(क) मदरसे बंद हो गए हैं (ख) मदरसे सजा दिए गए हैं
(ग) मदरसे भूकंप में ढह गए हैं (घ) इनमें से कोई नहीं।

11. **कवि के अनुसार बच्चों को किस कार्य के लिए विवश नहीं करना चाहिए–**
(क) खेलने के लिए (ख) पढ़ने के लिए
(ग) बाल मज़दूरी के लिए (घ) खाना खाने के लिए।

12. **बच्चों को काम पर क्यों जाना पड़ रहा है–**
(क) विद्यालय न होने के कारण (ख) किताबें न होने के कारण
(ग) अनाथ होने के कारण
(घ) माता-पिता की गरीबी के कारण।

13. **कवि बाल मज़दूरी के लिए किसे दोषी मानता है–**
(क) समाज और शासन को
(ख) बच्चों के माता-पिता को
(ग) स्वयं को
(घ) बच्चों को।

14. **कवि के अनुसार खिलौने कहाँ गए हैं–**
(क) चोरों ने चुरा लिए
(ख) काले पहाड़ के नीचे दब गए
(ग) बच्चों ने तोड़ डाले
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

15. **समाज के लोगों को बच्चों का काम पर जाना क्यों अटपटा नहीं लगता–**
(क) उनकी नज़रों में यह अनुचित नहीं है
(ख) वे संवेदन-शून्य हो गए हैं
(ग) वे बच्चों को कर्मठ बनाना चाहते हैं
(घ) उपर्युक्त सभी।

16. **कविता में बच्चे किस समय काम पर जा रहे हैं–**
(क) शाम के समय (ख) सुबह-सुबह
(ग) दोपहर के समय (घ) रात के समय।

17. **कवि के अनुसार बच्चों का काम पर जाना किसके समान है–**
(क) एक उत्सव के समान (ख) एक हादसे के समान
(ग) एक लहर के समान (घ) एक विवरण के समान।

18. **'बच्चे काम पर जा रहे हैं' पंक्ति को किस तरह लिखा जाना चाहिए–**
(क) कविता की तरह (ख) कहानी की तरह
(ग) विवरण की तरह (घ) एक सवाल की तरह।

19. **'बच्चे काम पर जा रहे हैं' पंक्ति के विषय में सबसे भयानक क्या है–**
(क) इसे बार-बार पढ़ना
(ख) इसे सवाल की तरह लिखना
(ग) इसे विवरण की तरह लिखना
(घ) उपर्युक्त सभी।

20. **बच्चों के काम पर जाने की समस्या को कवि किस प्रकार उठाना चाहता है–**
(क) उपहास की तरह (ख) सवाल की तरह
(ग) विवरण की तरह (घ) कथा की तरह।

उत्तर– 1. (क) 2. (ग) 3. (ग) 4. (क) 5. (घ) 6. (क) 7. (घ) 8. (ग) 9. (ख) 10. (ग) 11. (ग) 12. (घ) 13. (क) 14. (ख) 15. (ख) 16. (ख) 17. (ख) 18. (घ) 19. (ग) 20. (ख)।

## भाग-2

### वर्णनात्मक प्रश्न

### काव्य-बोध परखने हेतु प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

**प्रश्न 1 : 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' यह भयानक प्रश्न कैसे बनता है?**

**उत्तर :** बचपन से ही रोज़ी-रोटी कमाने के लिए बच्चों का काम पर जाना निश्चित रूप से भयानक बात है। इसी का परिणाम है कि ये बच्चे असमय बूढ़े हो जाते हैं। उनके मन मुरझा जाते हैं। शरीर निस्तेज हो जाते हैं। इसलिए कवि ने उनके काम पर जाने को भयानक बात कहा है। बच्चे काम पर क्यों जाते हैं? यह प्रश्न दिन-पर-दिन भयानक होता जा रहा है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**प्रश्न 2 : 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में किस विषम परिस्थिति में बच्चों के काम पर जाने की बात कही गई है?**

**उत्तर :** 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में सड़क के कोहरे से ढँकी होने पर भी बच्चों के काम पर जाने की विवशता की बात कही गई है। ऐसी कड़कड़ाती ठंड में, जिसमें सड़क कोहरे से ढँकी है, बच्चों को काम पर नहीं जाना चाहिए, फिर भी वे काम पर जा रहे हैं। इसी विषम परिस्थिति का संकेत कवि ने कविता में किया है।

**प्रश्न 3 : कवि ने क्यों कहा है कि तब फिर इस दुनिया में होने का क्या फ़ायदा, क्या बचा है इस दुनिया में?**

**उत्तर :** कवि ने ऐसा इसलिए कहा है; क्योंकि वह मानता है कि यदि बच्चों का बचपन ही सुरक्षित नहीं रहा तो फिर आगे आने वाली पीढ़ी कैसी होगी, इसका अंदाज़ा हमें स्वयं लगा लेना चाहिए। बच्चों के सुरक्षित होने का अर्थ है—कोमल भावनाओं की रक्षा। यदि मनुष्य की कोमल भावनाएँ, संवेदनाएँ जल्दी ही मर जाएँगी तो फिर मनुष्य के अस्तित्व पर भी प्रश्नचिह्न लग जाएगा। इसीलिए दुनिया को यदि बचाए रखना है तो बच्चों के बचपन को बचाना होगा।

**प्रश्न 4 : कविता की पहली दो पंक्तियों को पढ़ने तथा विचार करने से आपके मन-मस्तिष्क में जो चित्र उभरता है, उसे लिखकर व्यक्त कीजिए।**

**उत्तर :** कविता की पहली दो पंक्तियों को पढ़कर हमारे मन में यह चित्र उभरता है कि सरदी का मौसम है। कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कोहरा छाया हुआ है। ऐसे में कुछ छोटे-छोटे बच्चे काम करने के लिए नंगे पाँव सड़क पर चले जा रहे हैं।

**प्रश्न 5 : कवि का मानना है कि बच्चों के काम पर जाने की भयानक बात को विवरण की तरह न लिखकर सवाल के रूप में पूछा जाना चाहिए कि 'काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?' कवि की दृष्टि में उसे प्रश्न के रूप में क्यों पूछा जाना चाहिए?**

**उत्तर :** किसी बात का विवरण देने का अर्थ है—किसी बात को सामान्य मानकर उसकी जानकारी भर दे देना और उसे पाकर संतुष्ट हो जाना। विवरण केवल सूचना है। सूचना में कोई भावनात्मक लगाव जैसी चीज़ नहीं होती, न ही उसे पढ़कर पाठक चिंतित या व्याकुल होता है। परंतु यदि प्रश्न पूछा जाता है तो निश्चित रूप से पाठक या श्रोता का ध्यान आकर्षित होता है। प्रश्न से जुड़े भाव की प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है। लेखक चाहता है कि बाल-मज़दूरी के संबंध में लोगों के सरोकार जागें। उनमें इन बच्चों की दुर्दशा के प्रति चिंता और तड़प उत्पन्न हो। आज के बच्चे हमारे कल के कर्णधार हैं, यह बात इनके संदर्भ में भी सोची जाए। इन्हें उपेक्षा से न देखा जाए। इस बात को एक विवरण मानकर संतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए, बल्कि प्रश्न का समाधान खोजा जाना चाहिए कि वे कौन-से कारण हैं, जो इन्हें काम पर जाने के लिए विवश करते हैं।

**प्रश्न 6 : सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे क्यों वंचित हैं?**

**उत्तर :** गरीबी के कारण बच्चे सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से वंचित हैं; क्योंकि गरीब माता-पिता अपने बच्चों को न तो शिक्षा की सुविधा दे सकते हैं और न मनोरंजन के साधन ही उपलब्ध करा सकते हैं। उन्हें बच्चों का पेट भरने के लिए उन्हें भी अपने साथ काम पर लगाना पड़ता है। सरकार की उदासीनता और समाज की संवेदनहीनता भी इसका एक कारण है।

**प्रश्न 7 : दिन-प्रतिदिन के जीवन में हर कोई बच्चों को काम पर जाते देख रहा/रही है, फिर भी किसी को अटपटा नहीं लगता। इस उदासीनता के क्या कारण हो सकते हैं?**

**उत्तर :** इस उदासीनता के निम्नलिखित कारण हैं—

(i) हमारे समाज में बाल मज़दूरी प्राचीनकाल से होती चली आई है।

(ii) गरीब बच्चों का काम पर जाना हम भाग्य की बात मान लेते हैं।

(iii) स्वार्थवश भी हमें बालश्रम अटपटा नहीं लगता; क्योंकि बाल मज़दूर सस्ते मिल जाते हैं।

(iv) अशिक्षा भी इसका एक कारण है; क्योंकि अशिक्षित गरीब माता-पिता अपने बच्चों से मज़दूरी कराना बुरा नहीं समझते।

(v) जागरूकता का अभाव और गरीबी की विवशता भी बालश्रम का कारण है।

**प्रश्न 8 : बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?**

**उत्तर :** कवि ने बच्चों के काम पर जाने की घटना को धरती पर एक बड़े हादसे के समान माना है। उसका सोचना है कि यह बच्चों के प्रति घोर अन्याय है। बच्चों के साथ घटी यह एक बड़ी दुर्घटना ही है। बच्चे को जन्म के साथ ही लाड़-प्यार, सुख-सुविधा दी जानी चाहिए। उसे पढ़ने-लिखने, खेलने-खाने के पर्याप्त अवसर भी मिलने चाहिए। पर ऐसा होता नहीं। ये बच्चे गरीबी और विवशता के कारण काम पर जाते हैं। यह उनके बचपन के साथ घटी किसी दुर्घटना से कम नहीं। यह उनको बरबादी के कगार पर ले जाता है। शुभ कल्पनाओं से वे दूर होते जाते हैं, अपराध उनके निकट-संगी हो जाते हैं। इस प्रकार बच्चों का काम पर जाना धरती पर किसी बड़े हादसे से कम नहीं।

**प्रश्न 9 : आपने अपने शहर में बच्चों को कब-कब और कहाँ-कहाँ काम पर जाते देखा है?**

**उत्तर :** मैंने अपने शहर में बच्चों को अनेक स्थानों पर काम करते हुए देखा है। इन्हें चाय की दुकान, ढाबा, होटल, निजी कार्यालय, घर, यहाँ तक कि साइकिल-स्कूटर की रिपेयरिंग की दुकानों पर और कार-सफ़ाई आदि करते मैंने इन्हें अक्सर देखा है। सुबह-सवेरे ये अँगीठी लीपते-पोतते, दुकानों की झाड़पोंछ करते दिख जाते हैं तो रात को देर तक बरतन व दुकान की सफ़ाई करते। मैंने हर मौसम में हर हाल में इन्हें काम करते देखा है।

**प्रश्न 10 : 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' इस पंक्ति को किस रूप में लिखे जाने पर कवि को आपत्ति है और क्यों?**

**उत्तर :** 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' इस पंक्ति को विवरण के रूप में लिखे जाने पर कवि को भयंकर आपत्ति है। उसका मानना है कि यह कोई साधारण बात नहीं है, जिसका विवरण देकर हम अपने उत्तरदायित्व से मुक्त हो जाएँ, बल्कि यह एक ज्वलंत प्रश्न है। इसके समाधान पर गंभीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है।

**प्रश्न 11 : कवि राजेश जोशी ने अपनी कविता में क्या-क्या प्रश्न उठाए हैं?**

**उत्तर :** कवि राजेश जोशी ने अपनी कविता में अनेक प्रश्न उठाए हैं; जैसे—बच्चे काम पर क्यों जा रहे हैं? क्या उनके खेलने की सारी गेंदें अंतरिक्ष में जाकर गिर गई हैं? क्या उनकी रंग-बिरंगी सारी किताबों को दीमक खा गई है? क्या उनके सारे खिलौने किसी पहाड़ के नीचे दबकर नष्ट हो गए हैं? क्या सारे मदरसे किसी भूकंप में ढह गए हैं? क्या सारे मैदान, बगीचे और घरों के आँगन अचानक समाप्त हो गए हैं?

**प्रश्न 12 : 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का प्रतिपाद्य/उद्देश्य लिखिए।**

**उत्तर :** 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का उद्देश्य या प्रतिपाद्य है—बाल-मज़दूरों के प्रति समाज में जागरूकता लाना। बच्चों के बचपन की रक्षा की जाए, उन्हें पढ़ाई-लिखाई, खेल-कूद, खाने-पहनने, मनोरंजन आदि के समान अवसर दिए जाने चाहिए, उनसे कोई भारी काम नहीं करवाना चाहिए, उन्हें रोज़ी-रोटी की चिंता से मुक्त रखा जाना चाहिए। सरकार को कानून के कठोर अनुपालन के द्वारा तथा समाज को सहानुभूतिपूर्वक ऐसे बच्चों के जीवन को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। कवि का प्रतिपाद्य यही है कि बाल-मज़दूरों की दशा पर चिंतन हो और उनके प्रति यथास्थितिवादी रवैया अपनाया जाना बंद हो।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**प्रश्न 13 : हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति कौन-सी है?**

**उत्तर :** हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है–"बच्चे काम पर जा रहे हैं।" इसका अर्थ है–बालश्रम। बालश्रम एक सामाजिक अपराध है और किसी भी राष्ट्र और समाज के लिए निंदनीय है। अतः बच्चों का काम पर जाना सबसे भयानक है।

**प्रश्न 14 : पंक्ति को विवरण की तरह लिखा जाना भयानक क्यों है?**

**उत्तर :** पंक्ति को विवरण की तरह लिखे जाने का अर्थ है–बात को सामान्य स्तर पर स्वीकार कर लेना अर्थात् उसे रोज़मर्रा के जीवन की बात मान लेना। कवि को लगता है कि लोग बहुत संवेदनहीन हो चुके हैं। उनके लिए 'बच्चों का काम पर जाना' सामान्य बात है, जबकि यह एक विकट समस्या है। इसे सामान्य रूप में देखना बहुत भयानक है।

**प्रश्न 15 : किस पंक्ति को सवाल की तरह लिखा जाना चाहिए और क्यों?**

**उत्तर :** "बच्चे काम पर जा रहे हैं" इस पंक्ति को "काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?" इस तरह लिखा जाना चाहिए; क्योंकि बच्चों को तो बचपन में खेलने-कूदने, मौज-मस्ती करने का अवसर मिलना चाहिए, जबकि वे काम पर जा रहे हैं। यह देखकर हमें अपने से ही यह प्रश्न पूछना चाहिए कि बच्चे काम पर क्यों जा रहे हैं? कवि सोचता है कि हमारे मन में यह प्रश्न उठना ही चाहिए।

**प्रश्न 16 : कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चों का काम पर जाना कवि को क्यों व्यथित करता है?**

**उत्तर :** कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चों को काम के लिए जाता देख कवि व्यथित हो जाता है। वह सोचता है कि यही तो उनके पढ़ने-लिखने, खेलने-खाने के दिन हैं और इस छोटी-सी अवस्था में ही उन्हें पेट पालने की चिंता में काम पर जाना पड़ रहा है। यह बात संवेदनशील कवि को व्यथित कर देती है।

**प्रश्न 17 : कवि लोगों से क्या विचार करने की अपेक्षा करता है?**

**उत्तर :** कवि लोगों से अपेक्षा करता है कि वे 'बच्चों के काम पर जाने' की समस्या पर गहन विचार करें; क्योंकि बच्चों का काम पर जाना अर्थात् बालश्रम समाज और मानवता के लिए सबसे बड़ा कलंक है।

**प्रश्न 18 : गेंदों के खत्म होने से क्या आशय है?**

**उत्तर :** गेंद एक खिलौना है। खेल-खिलौने बचपन की पहचान हैं। इनके बिना बचपन खिल नहीं सकता; अतः गेंदों के खत्म होने का आशय है–बचपन का खत्म हो जाना। इसके द्वारा कवि ने संवेदनहीन समाज पर तीखा व्यंग्य किया है और पूछा है कि जो बच्चे काम पर जा रहे हैं, क्या उनका बचपन समाप्त हो गया? क्या समाज उन्हें बच्चे नहीं मानता है?

**प्रश्न 19 : कवि की हताशा और निराशा का क्या कारण है?**

**उत्तर :** कवि की हताशा और निराशा का कारण है–बच्चों का मन मारकर काम करना, बाल-मज़दूरी की विवशता। वह जब अन्य बच्चों को गेंदों, रंगीन पुस्तकों, खिलौनों, मदरसों, मैदानों, बगीचों आदि के साथ देखता है तो उसे हताशा घेर लेती है। वह निराशा में झल्लाता है कि यह सब सुविधाएँ काम पर जाते इन बच्चों को उपलब्ध क्यों नहीं हैं।

# अभ्यास प्रश्न

*निर्देश–निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर-विकल्प चुनकर लिखिए–*

क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक

1. **गेंदों के बारे में कवि ने क्या प्रश्न किया–**
   (क) क्या वे नदी में गिर गईं? (ख) क्या समुद्र में गिर गईं?
   (ग) क्या तालाब में गिर गईं (घ) क्या अंतरिक्ष में गिर गईं?
2. **दीमकों ने किसे खा लिया?**
   (क) अनाज को (ख) लकड़ी को
   (ग) रंग-बिरंगी किताबों को (घ) कपड़ों को।
3. **मदरसों के बारे में कवि ने क्या प्रश्न किया–**
   (क) क्या नए मदरसे बन गए? (ख) क्या मदरसे बंद हो गए?
   (ग) क्या मदरसे भूंकप में ढह गए? (घ) यह सभी।
4. **कवि के अनुसार खिलौने कहाँ गए–**
   (क) बच्चे ले गए
   (ख) चोर ले गए
   (ग) टूट गए
   (घ) काले पहाड़ के नीचे दब गए।
5. **'मदरसे' शब्द का क्या अर्थ है–**
   (क) देवालय (ख) पुस्तकालय
   (ग) विद्यालय (घ) औषधालय।

*निर्देश–दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–*

6. **कवि की हताशा-निराशा का क्या कारण है–**
   (क) किताबों का न होना (ख) खिलौनों का न होना
   (ग) बाल-मज़दूरी की विवशता (घ) मदरसों का ढह जाना।
7. **बच्चों को काम पर क्यों जाना पड़ रहा है–**
   (क) विद्यालय न होने के कारण
   (ख) किताबें न होने के कारण
   (ग) अनाथ होने के कारण
   (घ) माता-पिता की गरीबी के कारण।
8. **कवि के अनुसार बच्चों का काम पर जाना किसके समान है–**
   (क) एक उत्सव के समान (ख) एक हादसे के समान
   (ग) एक लहर के समान (घ) एक विवरण के समान।

*निर्देश–दिए गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

9. **कवि ने क्यों कहा है कि तब फिर इस दुनिया में होने का क्या फ़ायदा, क्या बचा है इस दुनिया में?**
10. **सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे क्यों वंचित हैं?**
11. **बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?**
12. **'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का प्रतिपाद्य/उद्देश्य लिखिए।**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in